13/6/19 पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित। वहस वादी सुनी गयी। वकील वादी ने वाद को डिक्री किये जाने का निवेदन किया गया जिस पर पत्रावली का अवलोकन किया गया। अवलोकन किये जाने के पश्चात वादीगण का वाद डिक्री किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखा जाकर शीघ्र पत्रावली दिया जाय। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज रजिस्टर से खारिज हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।

सत्यमेव जयते
Web Copy - Not Official

Scanned by CamScanner